मिशन शिक्षण संवाद

उत्तराखण्ड

शासकीय स्कूलों के बच्चों एवं शिक्षकों
द्वारा सृजित कविताओं का संकलन

सृजन पल्लवम्

संकलन-

काव्यांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद

newtext

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 19.12.2020

दिन- शनिवार

बेटी घर की शान

बेटी घर की शान है,
बेटी घर का मान है।
बेटी घर की जान है,
वो घर का सम्मान है।।

आज उसी घर आँगन को छोड़ गयी,
किसी और के सपनों का हिस्सा बन गयी।
कल तक थी अपने माँ बाप की बेटी,
आज वो किसी और की बहु बन गयी।।

वो प्यार-दुलार वो हँसी,
सब खो जाती है।
बेटी घर से विदा ले,
किसी और घर चली जाती है।।

जिस घर में बीता बचपन,
जहाँ सजाए सपने।
दु:ख का कभी अहसास न हुआ,
वहाँ थे सब अपने।।

रचना :-
कु०हिमांशी देवली (छात्रा)
कक्षा 8
रा०क०उ०प्रा० वि०सिदोली
क्षेत्र-कर्णप्रयाग, चमोली

मिशन शिक्षण संवाद
उत्तराखंड
काव्यांजलि
141
दिनांक- 25.12.2020 दिन- शुक्रवार विषय- हिन्दी कक्षा- 8

कामचोर

तंग आकर अम्मा ने कहा,
हैं ये तो सिर्फ नाम के।
निकाल दिया जाए नौकरों को,
ये मोटे-मोटे किस काम के।।

बैठे-बैठे अपना जीवन जीते,
हिल कर पानी तक नहीं पीते।
सुनकर पानी, पीने गए सब,
नल पर भीगे सबके कपड़े।।

घमासान युद्ध हुआ वहाँ,
जमकर हुए सबके झगड़े।
कालीन पर हुआ इतना शोर,
धूल बिखर गई चारों ओर।।

सबको है इतनी हड़बड़,
हर काम में करते थे गड़बड़।
देख अम्मा हुई और परेशान,
बोली कैसे बताएँ इन्हें हम काम।।

रचना-
कु० खुशबू कुमारी (छात्रा)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० सुंदरवाला
रायपुर, देहरादून

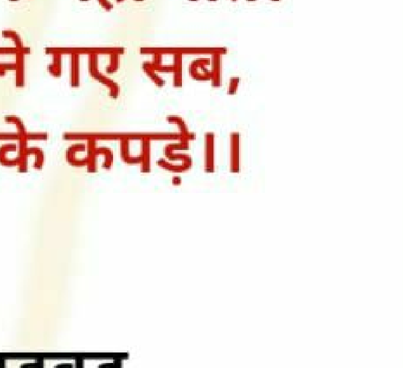

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 20.01.2021 **1398** दिन- बुधवार

मेरा प्यारा परिवार

खुशियों से भरा परिवार हमारा,
सबसे सुन्दर सबसे है न्यारा।
परिवार में रहते है सब मिलकर,
बोझ नहीं रहता है फिर दिल पर।।

कभी मिल बैठें कभी लड़ाई,
कभी खेल और कभी पढ़ाई।
एक पर भी मुसीबत आयी,
तो भिड़ जाते हैं सब भाई।।

करूँ प्रार्थना ईश्वर से यही,
मिले हमेशा परिवार यही।
यूँ राम को अयोध्या जैसे,
और कृष्ण को गोकुल जैसे।।

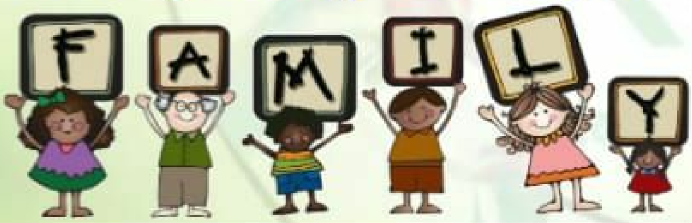

प्यार में मेरी माँ कौशल्या जैसी।
पालन-पोषण में यशोदा जैसी।।

रचना-
कु० आस्था
कक्षा- 7
रा० पू० मा० वि०- डोईवाला
डोईवाला, देहरादून

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10/04/2021

दिन-शनिवार

1907

लाल रंग की चिड़िया

लाल रंग की चिड़िया,
लगती कितनी सुन्दर।
मधुर गाना वो गाती है,
उड़ना उसका सपना है।।

कितनी मीठी आवाज है उसकी,
खुश होकर वह गीत गाती।
नाचने में वो लगती अच्छी,
रात को वो सोने जाती।।

गुड़िया जैसी लगती तुम,
संग हमारे रहती तुम।
तेरे संग मैं उड़ना चाहूँ,
तेरे जैसे मैं भी बन जाऊँ।।

रचना:- प्रियांशी (छात्रा)
कक्षा-6
रा० उ० प्रा० वि० गूमखाल द्वारीखाल,
पौड़ी-गढ़वाल, उत्तराखण्ड

मिशन शिक्षण संवाद
उत्तराखंड
काव्यांजलि
231

दिनांक- 09.04.2021 दिन- शुक्रवार विषय-हिन्दी कक्षा- 8

बाज और साँप

समुद्र के पानी का लहराना,
धूप पड़ने पर चमचमाना।
देख रहा था एक गुफा का साँप,
पानी का पर्वत की चट्टानों से टकराना।।

एक दिन खून से लथपथ बाज,
गुफा में साँप की ओर आ गिरा।
वह डर कर सिकुड़ गया,
देखा, बाज तो तड़प रहा।।

बाज ने किया आकाश का गुणगान,
सुनकर साँप हुआ हैरान।
चाहत थी फिर से उड़ना,
आकाश की ऊँचाई से जुड़ना।।

खुद को समेट वह उड़ा,
इसमें बाज ने गवाँ दिए प्राण।
साँप भी उड़ा, गिरा और बोला,
गुफा में ही अच्छी अपनी जान।।

रचना:-
कु० खुशबू कुमारी (छात्रा)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० सुन्दरवाला
ब्लॉक- रायपुर, देहरादून

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 31.03.2021 -दिन- बुधवार

1830

फूल

फूलों को हम देते पानी,
उनकी खुशबू बड़ी भाती।
फूलों को हम देते पानी,
दिलाते हमें याद भरी कहानी।।
फूलों से हम माला बनाते,
फूलों से हम घर सजाते।
फूलों से महकती दुनिया,
फिर क्यों तोड़े इनकी पँखुड़ियाँ।।
फूलों का रंग होता प्यारा,
लगे सुन्दर घर-आँगन हमारा।
फूल बड़े ही प्यारे होते,
बिन पानी के मुरझा जाते।।
फूलों को हम देते पानी,
उनकी खुशबू बड़ी सुहाती।।

रचना:-
कु०अनीषा (छात्रा)
कक्षा-6
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ब्लॉक-ऊखीमठ, रूद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-

26.03.2021 शुक्रवार

1779

बसन्त

आया है देखो बसन्त का मौसम,
देने प्रकृति को नए रंग।
दुल्हन सी सजी ये धरती,
अपने मन में नई उमंग है भर।।

बसन्त ऋतु लाए खुशियाँ अपार,
नए मौसम की ये नई बहार।
भौंरे तो अब फूलों पर मंडरायेंगे,
अब तो पेड़ों पर नए फल फूल लगेंगे।।

सरसों के पीले-पीले फूल खिलेंगे,
सर्वत्र पक्षी चहचहायेंगे।
कोयल मधुर वाणी में गायेगी,
किसान भाई नई नई फसलें उगायेंगे।।

झूमेंगे, नाचेंगे गायेंगे,
होली का त्योहार मनायेंगे।।

रचना-
राजवीर सिंह (छात्र)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० छत्तरपुर
रुद्रपुर, उधम सिंह नगर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 16/03/2021 -दिन- मंगलवार

1724

माँ

माँ तू है प्यारी प्यारी-प्यारी,
सारे जग से न्यारी-न्यारी।
तेरा आँचल हमको जीवन देता,
प्यार भरा सा आँगन देता।।

हमको सारे सुख देती,
खुद दुखों से भर जाती।
हमको खाना दे देती,
पर खुद भूखी रह जाती।।

जैसे तेरे आँचल में भगवान पले,
वैसे ही माँ हम भी पले।
कभी तू बन जाती प्यारी मूरत,
कभी तू बन जाती गुस्से वाली सूरत।।

तेरे चरणों में चारों धाम,
ऐसी माँ को मेरा प्रणाम।
माँ तू ही है प्यारी-प्यारी,
सारे जग से न्यारी-न्यारी।।

रचना-
रिया पाण्डे (छात्रा)
कक्षा-7
रा० उ० प्रा०वि० बगोटी,
ब्लॉक-लोहाघाट, चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 22.03.2021 -दिन- सोमवार 1748

फूलदेई त्योहार

फूलदेई आयी फूलदेई आयी,
बच्चों की खुशियाँ लायी।
रगं-बिरंगे फूल सजाएँ,
आओ! हम सब मिलकर गाएँ।।

फ्यूँली-बुराँश जैसे फूल लायी,
पय्यां जैसे पत्ते लायी।
भौंरे इन पर बैठ रहे हैं,
फूलों का रस चूस रहे हैं।।

वन-वन में फूल खिले हैं,
घर-आँगन में फूल खिले हैं।
घुघूती, कोयल, तोता, मैना,
प्यारा लगता सबका चहकना।।

फूलदेई त्यौहार मनाओ,
हँसी खुशी सब गाना गाओ।
जय घोघा माता फ्यूँली का फूल,
सुबह-सवेरे डालो फूल।।

रचना-
कु० दीपिका नेगी (छात्रा)
कक्षा-8
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 11/03/2021 -दिन- गुरुवार

1691

मैं ही हूँ

मैं ही चाँद, मैं ही तारा,
मैं ही हूँ, पूरा संसार।
मैं ही काली, मैं ही दुर्गा,
मुझी में तो जग का भण्डार।।

मैं ही बेटी,मैं ही माँ,
हाँ मैं ही तो ममता की मूरत।
मैं ही प्रचण्ड प्रबल गंगा की धारा,
मुझमें ही तो है, जग सारा।।

हाँ मैं हूँ, एक नारी शक्ति,
क्यों न करे, उसकी तुम भक्ति।
क्यों इतने जुल्म ढहाते,
क्यों इतने अत्याचार करते।।

क्या मैं एक इन्सान नहीं,
क्या मेरा कोई मान नहीं।
मुझे भी दो अधिकार सारा,
क्यों जग ने मुझको है मारा।

रचना
कु० सृष्टि नेगी (छात्रा)
कक्षा-8
रा० उ० वि० सारी,
ब्लॉक-ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 09/03/2021 -दिन- मंगलवार

1678

बेटी

माँ बाप की आन है तू,
माँ बाप की शान है तू।
दया से भरी इस दुनिया में,
ना डगमगाए वो ईमान है तू।।

हर जुल्म सहकर भी ना घबराई,
हौसलों से भरी उड़ान है तू लाई।
घर परिवार है बेशक तेरी जिम्मेदारी,
पर तू भी तो है सम्मान की अधिकारी।।

बात हो दिल की या फिर हो दिमाग की,
तू हमेशा से पड़ी है पुरुषों पे भारी।
अब और सहना नहीं तुझको,
अब बदलना है तुझे खुद को।।

बदलते इतिहास का नया फरमान है तू,
हौसलों से भरी उड़ान है तू।
हर जुल्म सहकर भी ना घबराई,
साहस का बन तू दूजा नाम आई।।

रचना-आयुषी(छात्रा)
कक्षा- 7
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-

19.02.21 शुक्रवार

1577

बसन्त

बसन्त आया बसन्त आया।
प्रकृति का सौन्दर्य लाया।।
ऋतुओं का राजा बसन्त आया ।
सबके मन में नई उमंग लाया।।

बसन्त पञ्चमी है आई।
विद्या सबके मन में भायी।।
खिली नई-नई कली-कली।
पवन सुगन्धित चहुँ ओर बही।।

हरियाली छाई चारों ओर।
नाचेगा वन वन रंगीला मोर ।।
सरसों से पीले खेत दमके।
चटका चहके खुशबू महके।।

फ्यूँली खिली, बुराँश खिला।
प्रकृति को यौवन मिला।।

रचना-

कु०सृष्टि नेगी (छात्रा) कक्षा-8
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ब्लॉक ऊखीमठ जिला- रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 05.03.2021 -दिन- शुक्रवार

1654

चिड़िया

चिड़िया जो सुबह उठकर,
हम सबको जगाती है।
चूँ-चूँ वह जो करती है,
लोगों का मन बहलाती है।।

वह चिड़िया जो खेतों से,
दाना चुनकर ले जाती है।
उनके छोटे टुकड़े करके,
बच्चों को प्यार से खिलाती है।।

वह चिड़िया जो सुबह उठकर,
मीठा गाना भी गाती है।
वह चिड़िया जो बारिश में,
पंख फैलाकर बच्चों को छिपाती है।।

चूँ-चूँ वह जो करती है,
लोगों का मन बहलाती है।।

रचना :-
कु० आकृति नेगी (छात्रा)
कक्षा 6
रा० उ० प्रा० वि० सारी,
ब्लॉक-ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

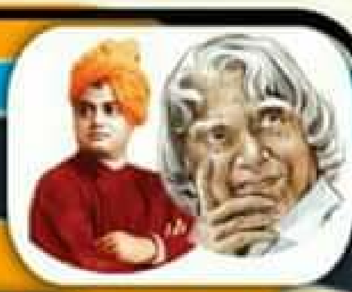

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 11/03/2021 -दिन- गुरुवार

1691

मैं ही हूँ

मैं ही चाँद, मैं ही तारा,
मैं ही हूँ, पूरा संसार।
मैं ही काली, मैं ही दुर्गा,
मुझी में तो जग का भण्डार।।

मैं ही बेटी,मैं ही माँ,
हाँ मैं ही तो ममता की मूरत।
मैं ही प्रचण्ड प्रबल गंगा की धारा,
मुझमें ही तो है, जग सारा।।

हाँ मैं हूँ, एक नारी शक्ति,
क्यों न करे, उसकी तुम भक्ति।
क्यों इतने जुल्म ढहाते,
क्यों इतने अत्याचार करते।।

क्या मैं एक इन्सान नहीं,
क्या मेरा कोई मान नहीं।
मुझे भी दो अधिकार सारा,
क्यों जग ने मुझको है मारा।

रचना
कु० सृष्टि नेगी (छात्रा)
कक्षा-8
रा० उ० वि० सारी,
ब्लॉक-ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 22.03.2021 -दिन- सोमवार **1748**

फूलदेई त्योहार

फूलदेई आयी फूलदेई आयी,
बच्चों की खुशियाँ लायी।
रगं-बिरंगे फूल सजाएँ,
आओ! हम सब मिलकर गाएँ।।

फ्यूँली-बुराँश जैसे फूल लायी,
पय्यां जैसे पत्ते लायी।
भौंरे इन पर बैठ रहे हैं,
फूलों का रस चूस रहे हैं।।

वन-वन में फूल खिले हैं,
घर-आँगन में फूल खिले हैं।
घुघूती, कोयल, तोता, मैना,
प्यारा लगता सबका चहकना।।

फूलदेई त्यौहार मनाओ,
हँसी खुशी सब गाना गाओ।
जय घोघा माता फ्यूँली का फूल,
सुबह-सवेरे डालो फूल।।

रचना-
कु० दीपिका नेगी (छात्रा)
कक्षा-8
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

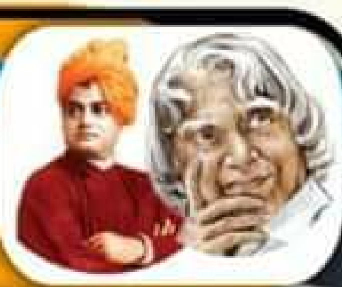

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 15-03-2021 -दिन- सोमवार

1710

महा शिवरात्रि

आई महादेव की पावन रात्रि,
हर घर में करेंगे सब दिया बाती।
संग मिलकर हम करेंगे,
मन्दिर में महादेव की आरती।।

शिव, शम्भु, वामदेव, जय केदार,
न जाने कितने हैं तुम्हारे प्रिय नाम।
हर नाम के पीछे छिपी हुई है,
प्रभो! तुम्हारी अलग पहचान।।

तुमने रचा सकल संसार,
तेरी जटाओं में गंगा का भार।
रखी तुमने भागीरथ की लाज,
किया तुमने उनके पुरखों का उद्धार।।

रचना-
कु० सृष्टि नेगी (छात्रा) कक्षा- 8,
रा० उ० प्रा० वि० सारी,
ब्लॉक- ऊखीमठ,
जनपद- रुद्रप्रयाग (उत्तराखण्ड)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 31.03.2021 -दिन- बुधवार

1830

फूल

फूलों को हम देते पानी,
उनकी खुशबू बड़ी भाती।
फूलों को हम देते पानी,
दिलाते हमें याद भरी कहानी।।
फूलों से हम माला बनाते,
फूलों से हम घर सजाते।
फूलों से महकती दुनिया,
फिर क्यों तोड़े इनकी पँखुड़ियाँ।।
फूलों का रंग होता प्यारा,
लगे सुन्दर घर-आँगन हमारा।
फूल बड़े ही प्यारे होते,
बिन पानी के मुरझा जाते।।
फूलों को हम देते पानी,
उनकी खुशबू बड़ी सुहाती।।

रचना:-
कु०अनीषा (छात्रा)
कक्षा-6
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ब्लॉक-ऊखीमठ, रूद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान आपका दिन शुभ हो शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद
उत्तराखंड
काव्यांजलि

186

दिनांक- 16.02.2021 दिन- मंगलवार विषय-सामाजिक कक्षा-6

हमारा सौरमण्डल

जिसके पास है सूरज जैसा तारा,
वही है अन्तरिक्ष हमारा।
आठ ग्रह जहाँ मिलकर रहते,
हम उसे 'सौरमण्डल' है कहते।।

जो रहता सूर्य के निकट,
बुध नाम से जाना जाता।
शूक्र है दूसरा ग्रह,
भोर-तारा नाम से जाना जाता।।

यह है प्यारी धरती माँ हमारी,
जिस पर तुम रहते हो।
नीले हरे रंग से जानी जाती,
हम सबका पोषण करती।।

पृथ्वी के बाद जो ग्रह आए,
मंगल वह कहलाता है।
मनुष्य द्वारा रचा गया यहाँ,
ज्यादा देर टिक ना पाता है।।

रचना-
कु० नव्या चौहान (छात्रा)
कक्षा- 7
रा० क० उ० प्रा० वि० डामटा
नौगाँव, उत्तरकाशी

मिशन शिक्षण संवाद
उत्तराखंड
काव्यांजलि

189

दिनांक- 19.02.2021 दिन- शुक्रवार विषय- सामाजिक कक्षा- 6

हमारा सौरमण्डल भाग-2

अब मैं चौथे ग्रह से मिलवाती हूँ,
जिसे विशाल ग्रह हम कहते।
बृहस्पति नाम है उसका,
रंग, भूरे से जाना जाता।।

रंग में है जो नीला,
अरुण यह तो है बहुत बर्फीला।
वरुण जिसका नाम है,
बौने ग्रह से जाना जाता।।

बच्चों! यही है अन्तरिक्ष की कहानी,
जहाँ सब ग्रह रहते हैं।
उसे गर्व से हम मिल्की वे,
'गैलेक्सी' कहते हैं।।

रचना-
कु० नव्या चौहान (छात्रा)
कक्षा- 7
रा० क० उ० प्रा० वि० डामटा,
नौगाँव, उत्तरकाशी

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ.. बाल दिवस 2020 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

मिशन शिक्षण संवाद

बाल दिवस विशेषांक

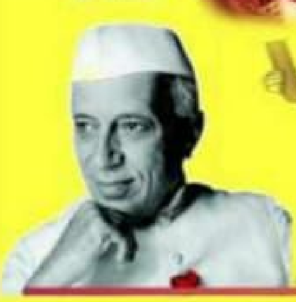

14 नवम्बर 2020

●··· चाचा नेहरू ···●

06

चाचा नेहरू तुम्हें प्रणाम,
बच्चों में था तुम्हारा प्राण।
बच्चों से प्यार जताते थे,
कोट पर पर फूल लगाते थे।

जनता के राज दुलारे थे,
स्वतंत्रता के पुजारी थे।
भारत के पहले प्रधानमंत्री थे,
स्वतन्त्रता सेनानी थे।।

पेशे से बुद्धिमान वकील थे,
लेकिन अच्छे लेखक थे।
भारत की खोज लिखी थी,
विश्व इतिहास की झलक लिखी थी।।

अपनी आत्मकथा लिखकर ,
मेरी कहानी नाम दिया।
भारत के पहले प्रधानमंत्री बनकर,
विश्व में नाम अमर किया।।

रचना-
कु० अनुष्का, कक्षा-चतुर्थ
रा० प्रा० वि० जैली
ब्लॉक-जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ.. बाल दिवस 2020 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

मिशन शिक्षण संवाद

बाल दिवस विशेषांक

14 नवम्बर 2020

07 चाचा नेहरू

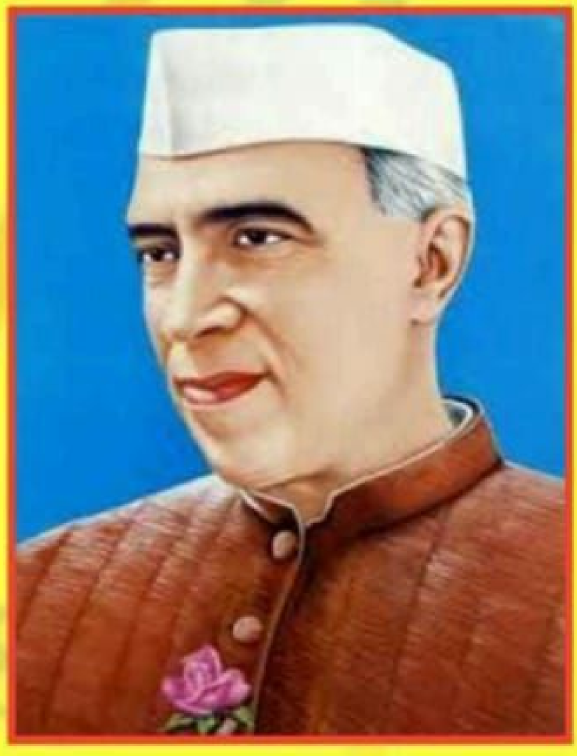

चाचा नेहरू आओ जी,
हमें खिलौने लाओ जी।
बाल दिवस को आना जी,
मधुर मुस्कान दिखाना जी।।

कोट पर फूल लगाना जी,
हम बच्चों से बतियाना जी।
हमको कविता सिखलाना जी,
गुलदस्ते लेकर आना जी।।

दादी हमें गीत सुनाती,
आजादी की कथा सुनाती।
अमर शहीदों के गीत सुनाती,
लोरी गाकर हमें सुलाती।।

स्कूल में जब आते हैं,
गुरुजी हमें बताते हैं।
खूब पढ़ोगे, खूब लिखोगे,
भारत के भाग्य विधाता बनोगे।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- शिवम जगवाण (कक्षा-पञ्चम)
रा० प्रा० वि० जैली, जखोली, रुद्रप्रयाग

शिकायत या सुझाव के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ.. बाल दिवस 2020 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

मिशन शिक्षण संवाद

बाल दिवस विशेषांक

14 नवम्बर 2020

11

चाचा नेहरू

चाचा नेहरू तुम्हें नमन।
तुम बच्चों के प्यारे थे श्रीमन।
देश के सेवा का दिया पैगाम।
सब धर्मों का किया सम्मान।

सदा प्रेम से खुशी से रहना।
आपने हमें सिखाया है।
कभी न छोड़ें सच की राह।
जीवन का उद्देश्य बताया।

चाहे जितनी बाधा आयें।
बढते रहना आगे - 2।
मुश्किल चाहे जितनी आये।
हिम्मत से पार कर जायें।

बच्चों के आँखे तारे थे।
बच्चों के रखवाले थे।
14 नवम्बर जब आयेगी ।
भारत माता तुम्हें बुलाएगी।

साहिल भट्ट
कक्षा - चतुर्थ
रा०प्रा०वि०जैली
ब्लॉक - जखोली, रुद्रप्रयाग

शिकायत या सुझाव के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 12.03.2021 -दिन- शुक्रवार **1695**

नारी

घर की चिन्ता हर कल की चिन्ता,
करती सदा ही नारी है।
ना झुकी कभी ना हारी है,
जंग आज भी जारी है।।

विपदा कितनी बड़ी भले हो,
हर मुश्किल पर भारी है।
माँ के रूप में रक्षा करती,
जग में वह सबसे प्यारी है।।

नारी होना आसान नहीं वह झाँसी की रानी है,
जिसमें सुगंधित फूल हैं खिलते।
नारी ही वो क्यारी है,
रहती सदा वह शान से।
हर कल की रखती वो तैयारी है।।

ना रुकी कभी ना वो हारी है,
कभी सरस्वती कभी लक्ष्मी है।
कभी चण्डी और काली है,
उसकी ममता भी न्यारी है।।

रचना-

महिमा सागर (छात्रा)
कक्षा-7, गुरुनानक इण्टर कॉलेज
रूद्रपुर, ऊधमसिंह नगर।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

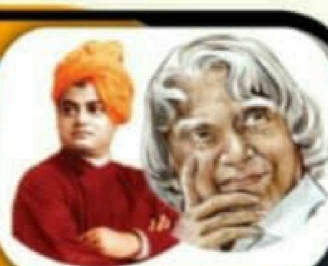

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-

12.02.21 शुक्रवार

1528

मेरा लक्ष्य

पढ़ाई करो तुम करो ना धोखा,
होता जीवन में एक ही मौका ।
भूल जाओ तुम बाकी बातें,
पार करो सपनों की नौका।।

अपने लक्ष्य पर दे दो ध्यान,
भूल जाओ दरबदर की बात।
भूल, जो अब तक हुआ था,
क्यों तू अपना वक्त है खोता।।

लक्ष्य नहीं तो, लक्ष्य बना लो,
जो हर कार्य पर आलस करता।
दिन पे दिन रहता जो सोता,
जीवन भर कर्मों को रोता।

जो थामता मेहनत का हाथ
नहीं देखता वह दिन और रात।
ऐसा व्यक्ति होता बहुत खास,
किस्मत भी देती उसका साथ।।

रचना-

नाम- महिमा सागर

कक्षा -7

रुद्रपुर ,उधमसिंह नगर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 12.04.2021

1913

दिन- सोमवार

तितली

कितनी सुन्दर तितली है,
रंग-बिरंगी तितली है।
देखूँ मैं तुम्हें हर पल,
खुश रहूँ तुझे देखकर।।

तेरे साथ मैं खेलूँ हर पल,
नाचना गाना साथ करूँ।
तेरे संग रहूँ मैं हर पल,
तू पीती रस भर-भर कर।।

मैं देखूँ तुझे हर पल,
रोज रहूँ मैं तेरे साथ।
बात करूँ मैं तेरे साथ,
'पर' हैं तेरे बहुत ही सुन्दर।।

रचना-
अर्पित रावत(छात्र)
कक्षा-6
रा० उ० प्रा० वि० गूमखाल
ब्लॉक-द्वारीखाल, पौड़ी गढवाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-17-04-2021

1948

दिन- शनिवार

माँ

माँ ने हमको जन्म दिया है,
माँ ने हमको नाम दिया है।
वही हमारी माता है,
लाड़-प्यार उसको आता है।।

दाल चावल खिलाती हमको,
खूब मोटा बनाती हमको।
हम हैं उसके प्यारे बच्चे,
नन्हे-मुन्ने प्यारे बच्चे।।

माँ है हमारी सुन्दर न्यारी,
सुन्दर-सुन्दर प्यारी दुलारी।
हम हैं उसके प्यारे बच्चे,
कितने अच्छे कितने सच्चे।।

रचना:- कु० तमन्ना (छात्रा)
कक्षा-6
रा० उ० प्रा० वि० ताल
ब्लॉक-पाबौ, पौड़ी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 21.04.2021

1964

दिन- बुधवार

माँ

मेरी प्यारी-प्यारी माँ,
कहते हैं लोग तुझे बहुत से नाम से।
अगर हमें चोट लगती तो खुद रोती है,
दर्द हमें होता है सहन तू करती है।।

हम को आगे बढ़ाने के लिए,
सबसे लड़ने ज़ाती है।
प्यार बहुत करती है,
गुस्सा भी हम पर करती है।।

कीचड़ में खेलने जाएँ तो,
डाँट भी हमको लगाती है।
मेरी प्यारी-प्यारी माँ,
माफ भी हमको करती है।।

रचना-
कुमारी दिया नेगी (छात्रा)
कक्षा-6
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ब्लॉक-ऊखीमठ, रूद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक-19.04.2021

1953

दिन- सोमवार

तितली रानी

तितली रानी बड़ी सयानी,
रंग-बिरंगे पंखों वाली।
फूलो का रस पिने वाली,
तितली रानी बड़ी सयानी।।

तितली रानी मुझको अपने,
पंख दिला दो तितली रानी।
मुझको भी अच्छे लगते हैं,
तेरे प्यारे-प्यारे पंख तितली रानी।।

फूल तुझे अच्छे लगते हैं,
मुझको भी अच्छे लगते हैं।
तुम चाहती हो फूल न तोड़ें,
तुम चाहती हो फूल न मुरझें।।

प्यारे पंखों वाली तितली,
मुझको भी उड़ना सिखाओ।
तितली रानी बड़ी सयानी
रंग-बिरंगों पंखों वाली।।

रचना-
कु० दिया नेगी (छात्रा)
कक्षा-6
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

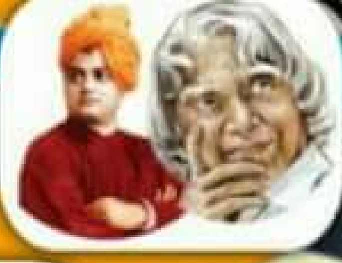

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 30.03.2021 -दिन- मंगलवार

क्रमांक 1823

होली है

हर साल में आती है,
सबकी अपनी बोली है।
होली है भाई होली है,
अरे बुरा न मानो होली है।।

रंग-बिरंगे उड़े गुलाल,
गाल हो गये सबके लाल।
गुझिया बालूशाही खाएँगे,
होली में धूम मचाएँगे।।

गाने खूब गाएँगे,
सबको नचाना चाहेंगे।
उड़ाएँगे खूब गुलाल,
लड़ाई-झगड़े की ना हो मजाल।।

पानी पर रंग डालेंगे,
गुब्बारे से सबको मारेंगे।
पर इस होली में दो गज की दूरी है जरूरी,
मास्क पहना भी है जरूरी।।

रचना-
कु० अनीषा (छात्रा)
कक्षा-8
रा० उ० प्रा० वि० बेमरू
ब्लॉक- दशोली, चमोली

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 29.03.2021 -दिन- सोमवार

1809

होली का त्यौहार आया

होली रंगों का है त्यौहार,
बाँटे आपस में खुशियाँ और प्यार।
हर तरफ रंगों का है त्यौहार,
सब खेलते होली भूलकर तकरार।।

होली बुराई पर अच्छाई का पाठ पढ़ाती,
बैर नफरत मिटा कर सबको पास लाती।
गुझिया ने मिठास को बढ़ाया,
ढोल नगाड़ों ने भी खूब रंग जमाया।।

लेकिन इस बार की होली है अलग,
क्योंकि लड़नी है हमें कोरोना से जंग।
हमें होली का त्यौहार भी मनाना है
कोरोना को भी खुद से दूर भगाना है।।

तो कर लो अपनी तैयारी पूरी,
इस बार मास्क लगाना है जरूरी।
होली को खूब मनाएँ,
पर कोरोना ना फैलाएँ।।

सोशल डिस्टेंसिंग के साथ, होली मनाएँ होली बनाएँ।।

रचना-
कु० प्रिया (छात्रा)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० बेमरू
दशोली (चमोली)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 07.04.2021

1882

दिन- बुधवार

पेड़

पेड़ बहुत उपयोगी होते,
सबने इनको जाना है।
पेड़ हमें देते छाया,
सबने इनको माना है।।

आँधी हो या बारिश हो,
फिर भी नहीं टूटते पेड़।
मजबूती से खड़े ये रहते,
धैर्य हमें सिखाते पेड़।।

पेड़ों से वनों की सुन्दरता,
पेड़ों से ही सुरक्षित जीवन।
पेड़ों से ही छाया मिलती,
पेड़ों से ही सुन्दर वन।।

बसन्त में खिलते पेड़,
सबके मन को हरते पेड़।
खुशहाली लाते ये पेड़,
जीना हमें सिखाते पेड़।।

रचना-
कु० तमन्ना (छात्रा)
कक्षा-6
रा० क० उ० प्रा० वि० ताल
ब्लॉक-पाबौ, जनपद-पौड़ी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 19-01-2021

1393

दिन- मंगलवार

आनन्दम् में ही आनन्द

खेल-खेल में आयी गतिविधि,
सामाजिकता को सिखा गयी।
प्रकृति में भूमिका निभा गयी,
खुशी का माहौल दे गयी।।

सप्ताह का आखिरी दिन है,
अभिव्यक्ति आज होनी है।
प्रतिभा विकसित करा गयी है,
आँकलन से परिलक्षित हुई है।।

वातावरण खुशनुमा बना हुआ है,
चाहे घर, समाज हो या हो स्कूल।
आनन्दम् में हम हँसते हैं,
खुशी ढूँढते हुए वर्तमान में जीते है।।

यह मानवीय मूल्यों का सार है,
कृतृज्ञता व सम्मान का आदर्श है।
विनम्रता, साहस, आनन्द का सार है,
दया ही आनन्द का भाव है।।

रचना-
उषा गौड (स. अ.)
रा० पू ० मा० वि०- डोईवाला
ब्लॉक - डोईवाला, देहरादून

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
Mission Shikshan Samvad
आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 10 दिनांक- रविवार/23.05.2021

माँ की लोरी

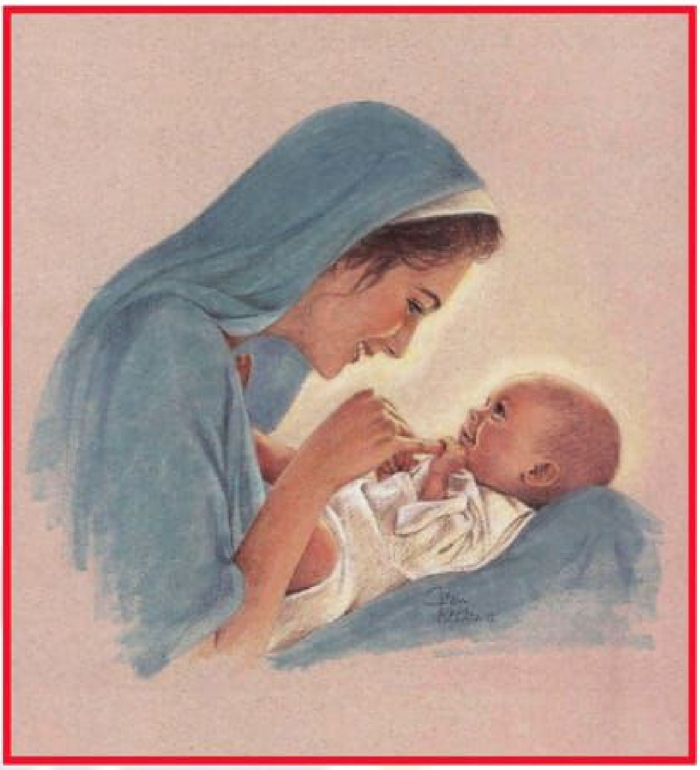

माँ ने मीठी लोरी गाकर,
रात को मुझे सुलाया है।
चाँद और तारों ने मिलकर,
मुझे सपनों में झुलाया है।।

भोर हुआ उजियारा छाया,
सूरज ने ये बतलाया है।
नन्हीं चिड़ियाँ ने फिर गाकर,
आकर मुझे जगाया है।।

जागो कि तुमको,
एक सुन्दर सपना बुनना है।
जागो कि तुमको अब,
अपना भविष्य चुनना है।।

जागो कि तुमको,
बाधाओं से लड़ना है।
जागो कि तुमको,
जीवन पथ पर आगे बढ़ना है।।

रचना:-
माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली
ब्लॉक-जखोली, जनपद-रुद्रप्रयाग

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..